# हिंदी पखवाड़ा-2020 एवं हिंदी दिवस समोराह

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (रावस्वाप्रसं) में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 31-08-2020 से 14-09-2020 तक 'हिंदी पखवाड़ा-2020' एवं 14 सितबंर, 2020 हिंदी दिवस का मनाया गया । इस वर्ष वैश्विक महामारी कोविड के चलते गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सभी सभी मानक प्रचालन मानदंडों का अनुपालन करते हुए हिंदी दिवस समारोह एवं हिंदी पखवाड़ा के हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन के जरिये सफलतापूर्वक संपन्न किया गया । प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया ।

## हिंदी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह :

दिनांक 31-08-2020 को महानिदेशक श्रीमती जी.जयलक्ष्मी भा.प्र.से कि अध्यक्षता में 'हिंदी पखवाड़ा-2020' का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया । उन्होंने कर्मचारियों एवं अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहॉ कि 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के तौर पर घोषित किया गया। सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करें एवं अपने दैनिक व्यवहार में हिंदी का अधिक उपयोग करें।

**हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता** : दिनांक 31-08-2020 को हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । हिंदी निबंध प्रतियोगिता हेतु दो शीर्षक विषय क्रमश: 1. 'कृषि अर्थव्यवस्था क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता संबंधी चुनौतियां एवं इसके समाधान' (2). 'राजभाषा हिंदी में कामकाज करने में आ रहीं कठिनाईयां एवं इसके निराकरण हेतु सुझाव' थे, जिसमें किसी एक विषय पर प्रतिभागियों को अपनी इच्छानुसार निबंध लिखना था ।

**हिंदी में टिप्पण एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता** : दिनांक 04-09-2020 को 'हिंदी में टिप्पण एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया । कर्मचारियों को कार्यालयीन संबंधी हिंदी में टिप्पणी एवं मसौद लेखन प्रश्नपत्र दिये गए थे ।

**प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता** : हिंदी पखवाड़ा के तहत् दिनांक 07-09-2020 को कर्मचारियों के लिए 'प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया ।

**हिंदी नारा एवं हिंदी स्व रचित-कविता लेखन प्रतियोगिता** : दिनांक 09-09-2020 को हिंदी पखवाड़ा की चौथी एवं अंतिम प्रतियोगिता 'कृषि एवं किसान' विषय पर हिंदी नारा एवं 'एनआईपीएचएम संस्थान' पर हिंदी स्व रचित-कविता लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया ।

## हिंदी दिवस समारोह :

दिनांक 14-09-2020 को संस्थान के महानिदेशक श्रीमती जी.जयलक्ष्मी भा.प्र.से. कि अध्यक्षता में हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा का संमापन समारोह आयोजन किया गया । उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दीं एवं उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा समय-समय पर जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार हिंदी के क्रियान्वयन हेतु प्रयासरत है एवं निधारित लक्ष्यों को हासिल कर रहा है।

## हिंदी कार्यशाला

श्री जयशंकर प्रसाद तिवारी, सहायक निदेशक, केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान, राजभाषा विभाग, कवाड़ीगुड़ा, सिकंदराबाद ने दिनांक 14-09-2020 को हिंदी दिवस एवं हिंदी कार्याशाला के अथिति वक्ता के तौर पर ऑनलाइन के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रति सरकारी कर्मचारियों की जिम्मेदारियों एवं हिंदी दिवस की प्रासंगिकता पर व्याख्यान प्रस्तुत कीं ।

ऑनलाइन के माध्यम से 'हिंदी दिवस' समारोह एव 'हिंदी कार्यशाला' का आयोजन

# एनआईपीएचएम में हिन्दी पखवाड़ा आरंभ

## राजभाषा हिन्दी का करें अधिक से अधिक इस्तेमाल : जयलक्ष्मी

**हैदराबाद, 31 अगस्त-(मिलाप ब्यूरो)** राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद (एनआईपीएचएम) में महानिदेशक जी. जयलक्ष्मी (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़ा-2020 का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संस्थान के हिन्दी अधिकारी विजय कुमार साव ने महानिदेशक सहित उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी। पखवाड़े का उद्घाटन देशभक्ति गीत से हुआ, जिसकी प्रस्तुति सैयद नाजिया (कार्यालय अधीक्षक) ने दी। हिन्दी पखवाड़े का आयोजन आगामी 14 सितंबर तक किया जाएगा। 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाया जाएगा।

महानिदेशक जी. जयलक्ष्मी ने उद्घाटन समारोह में कर्मचारियों एवं अधिकारियों को संबोधित करते हेतु कहा कि 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा के तौर घोषित किया गया। केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी होने के नाते यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करें। साथ ही अपने दैनिक व्यवहार्य में भी हिन्दी का अधिक उपयोग हो। हिन्दी बहुत ही सरल भाषा है, इसे आसानी से सीख सकते हैं। कर्मचारियों को पखवाड़े के दौरान आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। प्रतियोगिताएँ कर्मचारियों के लिए सीखने का अच्छा अवसर हैं।

संस्थान के रजिस्ट्रार डॉ. विधु कांपूरत पी. ने कहा कि संस्थान में राजभाषा संबंधी नीति, दिशा-निर्देशों एवं नियमों का क्रियान्वयन समुचित तरीके से करते हुए वर्ग 'ग' क्षेत्र हेतु निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनआईपीएचएम के स्तर पर कर्मचारियों को हिन्दी प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वह धीरे-धीरे हिन्दी में टिप्पणी एवं पत्र लिख सकें। कर्मचारियों को इसके लिए हमेशा प्रयासरत रहना चाहिए।

वर्चुअल उद्घाटन समारोह में पीबीडी के निदेशक एवं पीएचएम के प्रभारी निदेशक डॉ. जे. एलिस आर.पी. सुजीता, डॉ. निर्माली साइकिया (प्रभारी निदेशक, पीएमडी एवं संयुक्त निदेशक, रसायन), मुरली मोहन नेली (वित्त सलाहकार), शेख लियाकत अली अहमद (सहायक निदेशक, आईसीटी) तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। हिन्दी अनुवादक राठौड़ मोहन नारायण ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# एनआईपीएचएम में हर्षोल्लास से मनाया गया हिन्दी दिवस

**हैदराबाद, 14 सितंबर**
**(मिलाप ब्यूरो)**

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद में आज ऑनलाइन के माध्यम से हिन्दी दिवस एवं हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता जी. जयलक्ष्मी (भा.प्र.से., महानिदेशक-एनआईपीएचएम) ने की।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संस्थान के हिन्दी अधिकारी विजय कुमार साव ने महानिदेशक सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ दीं। महानिदेशक के निर्देशानुसार गृह मंत्री, भारत सरकार, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली और ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर जारी संदेशों का वाचन किया गया।

महानिदेशक ने अधिकारियों एवं अतिथि वक्ता जयशंकर प्रसाद तिवारी (सहायक निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण, उप-संस्थान, सिकंदराबाद) ने हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा समय-समय पर जारी वार्षिक कार्यक्रम के निर्देशानुसार हिन्दी के क्रियान्वयन हेतु हेतु प्रयासरत हैं एवं निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर रहा है। इस संस्थान से इस वर्ष 18 कर्मचारियों को प्राज्ञ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु एवं हिन्दी टंकण प्रशिक्षण हेतु 7 कर्मचारियों को नामित किया गया है। संबंधित कर्मचारी ऑनलाइन के जरिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके इतर राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए अलग हिन्दी संबंधी क्रियाकलापों द्वारा निरंतर प्रयास किया जाना चाहिए।

अतिथि वक्ता ने अपने संबोधन में कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी मातृभाषा में अभिव्यक्ति को सहजता से व्यक्त करता है, क्योंकि यह भाषा उसकी अपनी पैतृक संपति या धरोहर के तौर पर प्राप्त होती है। हिन्दी ने भारत को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया है। हिन्दी भाषा और अन्य भारतीय भाषाओं ने मिलकर भारत की सांस्कृतिक विविधता को आगे ले जाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। हिन्दी के साथ अन्य भारतीय भाषाओं एवं बोलियों का भी विकास होना चाहिए, जिससे हमारी संस्कृति और भी संमृद्ध और मजबूत बने।

समारोह के पहले सत्र में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अतिथि वक्ता ने ऑनलाइन के माध्यम से व्याख्यान दिया। उन्होंने कार्यशाला के दौरान कर्मचारियों को हिन्दी में लिखी जाने वाली टिप्पणी एवं मसौदा पत्र, आवेदन-पत्र एवं इससे संबंधित समस्याओं तथा लेखन पद्धतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सरकारी कामकाज के दौरान कार्यालय में प्रयोग होने वाले क्रियारूपों एवं उसकी संरचनाओं के बारे में भी बारीकी से जानकारी दी।

संस्थान के हिन्दी अनुवादक राठौड़ मोहन नारायण ने हिन्दी पखवाड़-2020 के दौरान आयोजित विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं (हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी में टिप्पणी एवं मसौदा लेखन, प्रशासनिक शब्दावली एवं हिन्दी नारा एवं हिन्दी स्वरचित कविता लेखन) का विवरण प्रस्तुत कर सफल प्रतिभागियों के नामों की उद्घोषणा की। इस वर्चुअल हिन्दी दिवस समारोह में पीबीडी के निदेशक एवं पीएचएम के प्रभारी निदेशक डॉ. जे. एलिस, आर.पी. सुजीता, डॉ. निर्माली साइकिया, प्रभारी निदेशक (पीएमडी) एवं संयुक्त निदेशक (रसायन), मुरली मोहन नेली (वित्त सलाहकार), शेख लियाकत अली अहमद, सहायक निदेशक (आईसीटी) तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थत थे। हिन्दी अनुवादक राठौड़ मोहन नारायण ने धन्यवाद ज्ञापित किया।